राजस्थान भारत में हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर

चर्चा में क्यों?

हाल के दिनों में, राजस्थान ने **26,800 मेगावाट से अधिक स्थापित** नवीकरणीय ऊर्जा **क्षमता के साथ हरित ऊर्जा में भारत के परिवर्तन का नेतृत्व किया है।**

मुख्य बिंदु:

- राजस्थान ने वर्ष 2023-24 के पहले 10 महीनों में 39,300 मिलियन यूनिट हरित ऊर्जा का उत्पादन किया, जो वर्ष 2019-20 की इसी अवधि की तुलना में **तीन गुना अधिक है।**
- राजस्थान में, **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों** का योगदान इसकी **विद्युत उत्पादन क्षमता का 64.5% है**, जो इसके ऊर्जा पोर्टफोलियो में **गुजरात के 47% नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण से काफी अधिक है।**
- पवन ऊर्जा उत्पन्न करने में राजस्थान पहले ही **तमिलनाडु** को पीछे छोड़कर नंबर एक राज्य बन गया है।

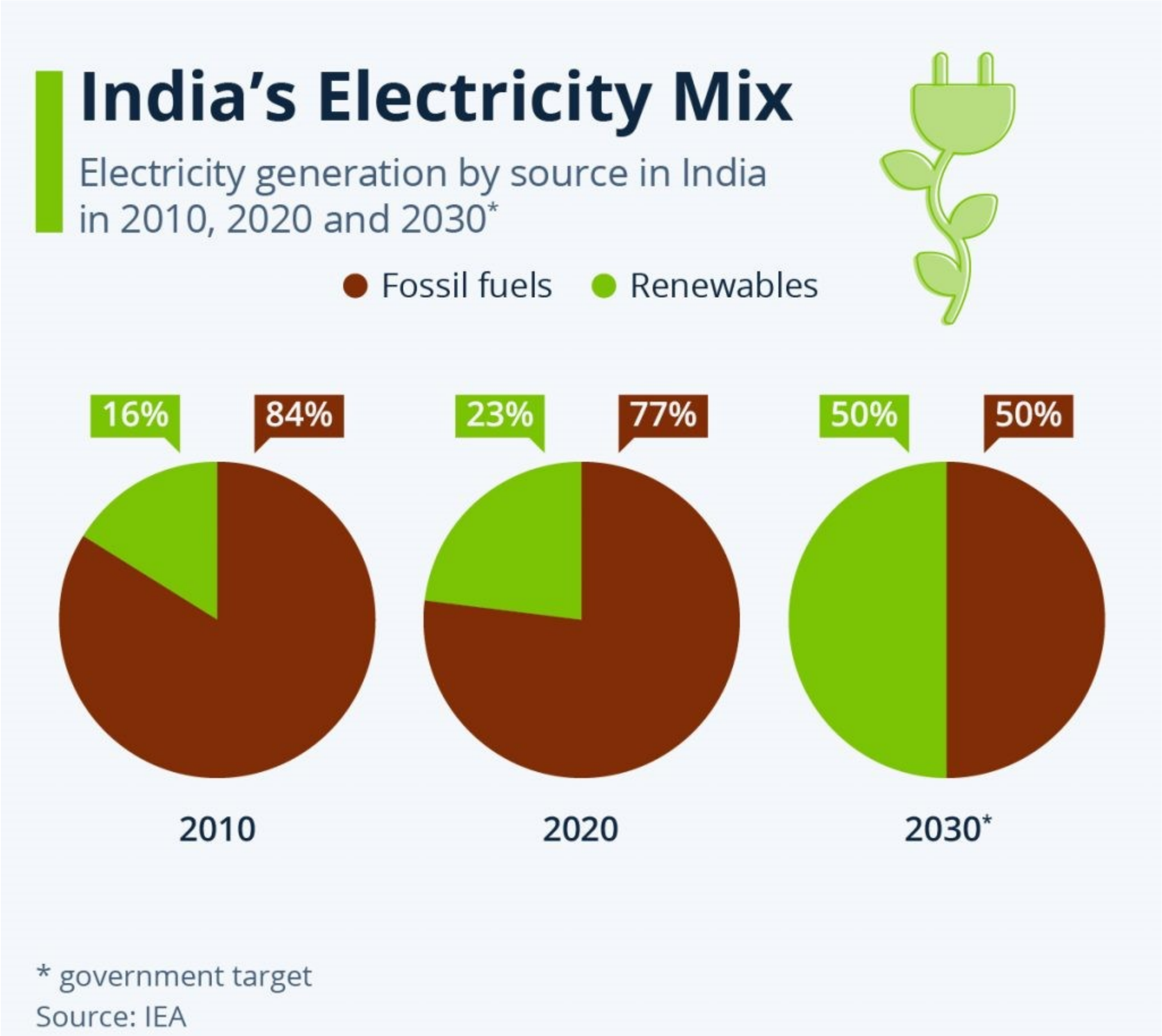

//

पाँच पंचामृत लक्ष्य

- **UNFCCC COP 26 में, प्रधानमंत्री ने पाँच पंचामृत लक्ष्यों** का अनावरण किया, जिनमें शामिल हैं:
  - **वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट (GW) गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना।**
  - वर्ष 2030 तक भारत की 50% ऊर्जा आवश्यकता को **नवीकरणीय ऊर्जा (RE)** स्रोतों से पूरा करना।
  - वर्ष 2030 तक **अर्थव्यवस्था में कार्बन तीव्रता को वर्ष 2005 के स्तर से 45% कम करना।**
  - वर्ष 2030 तक **कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को 1 बिलियन टन तक कम करना।**
  - वर्ष 2070 तक **शुद्ध-शून्य उत्सर्जन** का लक्ष्य प्राप्त करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-leads-india-s-transition-to-green-energy